17.2.25 पत्रावली पेशी में ली गई। अप्रार्थी को पूर्व में 07R11 CPC पर सुना जा चुका है। वाद पत्र में प्रा.पत्र स्वीकार किया जाकर हस्तगत वाद पत्र खारिज किया जाता है। विस्तृत निर्णय अलग से लिखवाया जाकर शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली नंबर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर की जाती है।

Signature Not Verified

Digitally signed by Mangi Lal
Date: 2025.04.15 12:46:51 IST
Reason: SelfAttested